नवाबगंज के परोथी गाँव में मिट्टी के कारीगरों के साथ बैठक

बरेली जनपद के नवाबगंज विकास खण्ड का परोथी गाँव में प्राथमिक विद्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के आरम्भ में नवाबगंज विकासखण्ड के ब्लॉक प्रमुख माननीय श्री विनोद दिवाकर जी ने उपस्थित अधिकारियों और वैज्ञानिकों के समक्ष कुम्हार परिवारों की समस्या को रखते हुये बताया कि परोथी गाँव अपने मिट्टी के बरतनों के लिये प्रसिद्ध है विशेषकर यहाँ की बनी हुई मिट्टी की चिलम की माँग देश के विभिन्न भागों में है। गाँव में कुम्हार बिरादरी के लगभग 250 परिवार निवास करते हैं परन्तु धीरे-धीरे जैसे-जैसे मिट्टी के बरतनों का चलन कम होता जा रहा है इस गाँव की कुम्हार बिरादरी का जीवन-यापन कठिन होता जा रहा है।

इसी समस्या पर चर्चा करने के लिये गाँव के प्राथमिक विद्यालय में कुम्हार परिवारों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कई परिवार अपने द्वारा बनाये गये बरतनों को भी लेकर आये जो देखने में बहुत अच्छी गुणवत्ता के थे। इस समस्या के समाधान के लिये अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ॰ राज करन सिंह ने सुझाया कि बरतनों की गुणवत्ता बहुत अच्छी होने के बाद भी इनकी बिक्री नहीं हो पा रही है अतः इसके लिये एक प्रयास यह करना पड़ेगा कि इन बरतनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाये

साथ ही बरतनों के आकार प्रकार में कुछ परिवर्तन कर आधुनिक युग में इन्हें फैशन के रूप में बढ़ावा दिया जाये। जिस प्रकार कुम्हार भाई मिट्टी कि काली चिलम बना रहे हैं उसी प्रकार मिट्टी के बरतनों को काला करके इन्हें विभिन्न सामग्रियों जैसे शहद, गुलाब जामुन, रसगुल्ले रखने तथा दाल पकाने की हँडिया बनाकर नये प्रकार के उपयोग को बढ़ावा दिया जाये। यदि कुम्हार परिवार इस प्रकार के बर्तन बनाते हैं तो कृषि विज्ञान केन्द्र उनके लिये बाजार की व्यवस्था करने में सहयोग करेगा। इस अवसर श्री धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा, ए॰जी॰एम॰ नाबार्ड ने कुम्हार परिवारों को प्रोत्साहन देने के लिये नाबार्ड की तरफ से हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया साथ ही कुछ अलग प्रकार के बर्तन व अन्य मिट्टी की सामग्री बनाकर किसान मेलों, शिल्प हाट आदि में भी भागीदारी करने की सलाह दी। खण्ड विकास अधिकारी श्री चंद्रमोहन कन्नौजिया ने भी इस अवसर पर अपने विचार रक्खे। बैठक में 57 कुम्हार परिवारों ने भागीदारी की।